

ये अव्यक्त इशारे

सदा हर्षित रहने के लिए अपनी नेचर को सरल बनाओ,  
सहनशील बनो

**15-06-2026**

मन, वाणी, कर्म में सरलता और सहनशीलता यह दोनों आवश्यक हैं। अगर सरलता है, सहनशीलता नहीं तो भी श्रेष्ठ नहीं। सरलता के साथ सहनशीलता है तो शक्ति स्वरूप कहा जाता है। शक्तियों के चित्रों में सरलता और सहनशीलता दोनों ही गुण दिखाते हैं। अभी की रिजल्ट में कहाँ सहनशीलता अधिक है, कहाँ सरलता अधिक है। अब इन दोनों को समान बनाओ।

**To remain constantly cheerful, be easy-natured  
and tolerant.**

It is necessary to have easiness, simplicity and tolerance in your thoughts, words and deeds. If there is easiness and simplicity, but not tolerance, you cannot be said to be elevated. If, together with easiness and simplicity, there is tolerance you would then be said to be an embodiment of power. They have portrayed the Shaktis with both the virtues of easiness and tolerance. In the present result, in some cases, there is more tolerance and in other cases, there is more easiness. Now, make both of them equal.